



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1160]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 30, 2003/पौष 9, 1925

No. 1160]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 30, 2003/PAUSA 9, 1925

वित्त मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 2003

का.आ. 1478(अ).—केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित सरकारी कंपनी है, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय भारतीपुरम, सेलम मेन रोड, धर्मापुरी -- 636705 में है, तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 1) लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित सरकारी कंपनी है, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 12, रामकृष्णा रोड, सेलम -- 636007 में है, के साथ डिपोओं, उपस्करों, कार्मिक सामग्री और अन्य अवसंरचनात्मक सुविधाओं के प्रभावी और दक्ष उपयोग के प्रयोजन के लिए नीतिगत समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उत्पादन यूनिट अर्थात् बाडी बिल्डिंग यूनिट रिकन्डिसनिंग यूनिट रिट्रीटिंग यूनिट के दक्ष और आर्थिक अन्तरराज्यिक विस्तार के लिए और राज्यान्तर मार्गों पर दक्ष पर्याप्त मितव्ययी तथा समुचित रूप से समन्वयित सड़क परिवहन सेवाओं और सहबद्ध सेवाओं के प्रयोजन के लिए एकल कंपनी में समामेलित की जानी चाहिए ;

और दोनों कंपनियों अर्थात् तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड और तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 1) लिमिटेड ने 8 अक्टूबर, 2001 को हुए असाधारण साधारण अधिवेशनों में दोनों कंपनियों के शेयरधारकों द्वारा पारित संकल्प द्वारा समामेलन की स्कीम को अनुमोदित कर दिया है ;

और समामेलन के लिए प्रस्तावित आदेश की एक प्रति दो समाचारपत्रों में प्रकाशन के लिए पूर्वोक्त कंपनियों अर्थात् तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड और

तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 1) लिमिटेड को प्ररूप के रूप में भेज दी गई थी, जिसमें आक्षेप और सुझाव, यदि कोई है, मांगे गए थे ;

और मैसर्स तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड को मैसर्स तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 1) लिमिटेड के साथ समामेलन की स्कीम दोनों कंपनियों ने दैनिक समाचारपत्रों अर्थात् क्रमशः 5 अक्टूबर, 2002 को “दि न्यू इंडियन एक्सप्रेस” (अंग्रेजी) और 5 अक्टूबर, 2002 को “दीनाभूमि” में और 6 अक्टूबर, 2002 को क्षेत्रीय भाषा के “डा0 नामाथु एम.जी.आर.” और 5 अक्टूबर, 2002 को “दि न्यू इंडियन एक्सप्रेस” (अंग्रेजी) में तथा 5 अक्टूबर, 2002 को “दीनाभूमि” में और 6 अक्टूबर, 2002 को क्षेत्रीय भाषा के “डा0 नामाथु एम.जी.आर.” में प्रकाशित की गई थी ;

और प्राप्त आक्षेपों या सुझावों पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है ।

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दोनों कंपनियों के समामेलन का उपबंध करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम — (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड और तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 1) लिमिटेड, समामेलन आदेश, 2003 है ।

(2) यह आदेश राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा ।

2. परिभाषाएं — इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “नियत दिन” से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है ;

(ख) “विघटित कंपनी” से तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड अभिप्रेत है ;

(ग) “परिणामी कंपनी” से तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन—1) लिमिटेड अभिप्रेत है ।

3. शेयर धारण का पैटर्न — (क) 31 मार्च, 2001 को इन दोनों कंपनियों का शेयर धारण का पैटर्न निम्न रूप में है :—

(I) विघटित कंपनी :—

तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन—2) लिमिटेड

क्र.स.	शेयरधारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रूपये में)
1.	तमिलनाडु के राज्यपाल	1,46,53,391	14,65,33,910
2.	अन्य (नौ), जिनमें से प्रत्येक ने एक शेयर धारण किया हुआ है, जो तमिलनाडु सरकार के नामनिर्देशित हैं	9	90
	योग	1,46,53,400	14,65,34,000

(2) परिणामी कंपनी :--

तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिविजन-1) लिमिटेड

क्रम सं.	शेयर धारकों का नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रूपये में)
1.	तमिलनाडु के राज्यपाल	2,16,19,991	21,61,99,910
2.	अन्य (नौ), जिनमें से प्रत्येक ने एक शेयर धारण किया हुआ है, जो तमिलनाडु सरकार के नामनिर्देशित हैं	9	90
	योग	2,16,20,000	21,62,00,000

(ख) विघटित कंपनी, जिसके अंतर्गत तमिलनाडु सरकार की नामनिर्देशित शेयरधारक भी हैं, द्वारा धारित शेयर सममूल्य पर परिणामी कंपनी में तमिलनाडु सरकार द्वारा धारित पूंजी के अतिरिक्त तमिलनाडु सरकार को अंतरित हो जाएंगे और उसमें निहित होंगे और तदनुसार तमिलनाडु सरकार की समादत पूंजी में वृद्धि हो जाएगी।

4. कंपनियों का सम्मेलन : (i) नियत दिन से ही, तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिविजन 2) लिमिटेड का संपूर्ण कारबार और उपक्रम जहां है, जैसा है की शर्त पर, जिसके अंतर्गत सभी संपत्तियां, चाहे जंगम हों या स्थावर और अन्य आस्तियां, चाहे वे जिस प्रकृति की हों, जिसके अंतर्गत मशीनरी और सभी स्थिर आस्तियां या पट्टे, अभिवृत्ति अधिकार, शेयरों या अन्यथा में विनिधान, व्यापार स्टाक, कर्मशाला, औजार, अभिवहन में माल, सभी किस्मों के धन का अग्रिम, बही ऋण, बकाया धन, वसूली योग्य दावे, करार, औद्योगिक और आशय की अन्य अनुज्ञप्तियां और अनुज्ञापत्र और प्रत्येक प्रकार के सभी अधिकार और शक्तियां सम्मिलित हैं किन्तु विघटित कंपनियों की उक्त संपत्तियों को प्रभावित करने वाले सभी बंधक और प्रभार और आडमान, प्रत्याभूतियां और सभी अधिकारों, जो भी हों, के अधीन रहते हुए और कार्य तथा विलेखरहित तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार परिणामी कंपनी को अंतरित हो जाएगी और उसमें निहित हो जाएगी या अंतरित और उसमें निहित समझी जाएगी।

(ii) लेखा प्रयोजनों के लिए, सम्मेलन उक्त दोनों कंपनियों के 31 मार्च, 2001 को संपरीक्षित लेखाओं और तुलन पत्रों के प्रतिनिर्देश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् संव्यवहार एक ही खाते में पूलित किया जाएंगे। विघटित कंपनी से किसी पश्चातवर्ती तारीख को उनके अंतिम लेखे तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कंपनी के 31 मार्च, 2001 के तुलनपत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्वों को ग्रहण करेंगी और उसके पश्चात् विघटित कंपनियों के सभी संव्यवहारों के लिए पूर्ण जिम्मेदारी स्वीकार करेंगी।

स्पष्टीकरण :-- विघटित कंपनी के उपक्रम के अंतर्गत विकास रिबेट आरक्षित, यदि कोई हो, सभी अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार और विशेषाधिकार और सभी जंगम या स्थावर संपत्तियां, जिसमें रोकड अतिशेष, आरक्षितियां ऐसी संपत्ति में या उससे उत्पन्न होने वाले राजस्व अतिशेष, विनिधान, सभी अन्य हित और अधिकार, जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी के हो या उनके कब्जे में हों, सम्मिलित हैं और उससे संबंधित सभी बहियां, लेखे और दस्तावेज तथा विघटित कंपनी के उस समय विद्यमान किसी भी प्रकार के सभी ऋण, दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं भी हैं।

5. **संपत्ति की कतिपय मदों का अंतरण** — इस आदेश के प्रयोजन के लिए, नियत दिन को विघटित कंपनी के सभी लाभों या हानियां दोनों, यदि कोई हों, और जब विघटित कंपनी की राजस्व आरक्षितियां या कमीयां, या दोनों, यदि कोई हों, को परिणामी कंपनी को अंतरित कर दिया जाता है, तो, यथास्थिति परिणामी कंपनी वंश लाभ या हानि और राजस्व आरक्षितियां या कमी का क्रमशः भागरूप होंगे।
6. **संविदाओं आदि की व्यावृत्ति** — इस आदेश में अंतर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएं, विलेख, बंधपत्र, करार और अन्य लिखित चाहे वे किसी भी प्रकृति के हों, जिनकी विघटित कंपनी पक्षकार हैं, जो नियत दिन से ठीक पूर्व अस्तित्व में है या प्रभाव रखती हैं, परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतया प्रवृत्त और प्रभावी होंगे और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा। मानों विघटित कंपनी के स्थान पर परिणामी कंपनी उसकी एक पक्षकार रही हों।
7. **विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति**:- यदि, नियत दिन को विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध किए गए कोई वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां चाहे किसी प्रकृति की हों, लंबित हैं तो विघटित कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अंतरित हो जाने पर या इस आदेश में किसी बात के कारण उपशमित नहीं होंगी या रोकी नहीं जाएंगी या किसी भी प्रकार से प्रतिकूल रूप में प्रभावित नहीं होगी, किंतु वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां उसी रीति से और उसी सीमा तक परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकेंगी और अभियोजित और प्रवर्तित किया जा सकेगा जिस प्रकार यदि वह आदेश न किया गया होता तो विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रहती, अभियोजन किया जाता और प्रवृत्त रहती।
8. **कराधान की बाबत उपबंध** - नियत दिन से पूर्व, विघटित कंपनी द्वारा किए गए कारबार के लाभों और अभिलाभों (जिसके अंतर्गत संचित हानियों और अनामेलित अवक्षयण सम्मिलित हैं) की बाबत सभी कर, परिणामी कंपनी द्वारा ऐसी रियायतों और राहतों के अधीन रहते हुए, संदेय होंगे जो इस समामेलन के परिणामस्वरूप आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात किए जाएं।
9. **विघटित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध** — विघटित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (जिसके अंतर्गत विघटित कंपनी के निदेशक नहीं हैं) नियत दिन से ही परिणामी कंपनी का, यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी हो जाएगा और उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिए और उन्हीं शर्तों और उन्हीं बाध्यताओं, अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जिनके साथ वह विघटित कंपनी के अधीन पद धारण करता, यदि यह आदेश न किया जाता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक कि परिणामी कंपनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या पारस्परिक सहमति द्वारा उसके पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तों में सम्यक् रूप से परिवर्तन नहीं कर दिया जाता है।

ऐसे अधिकारियों से भिन्न उन सभी अधिकारियों की ज्येष्ठता, जो नियत दिन से ठीक पूर्व संबंधित विघटित कंपनी में विद्यमान थी, यह मानते हुए बनाए रखी जाएगी कि पर्यवेक्षीय स्तर तक कर्मचारियों के बीच ज्येष्ठता प्रौन्तीय अवसर और स्थानान्तरण इन आदेशों के जारी किए जाने के समय पर नामावली पर कर्मचारियों की बाबत परिणामी कंपनी में

समामेलन के पश्चात् भी संरक्षित रहेंगे। तत्पश्चात् भर्ती किए गए कर्मचारी परिणामी कंपनी में अधिकारिता के भीतर स्थानांतरित किए जाएंगे, तथापि पर्यवेक्षीय काडर से प्रबंधकीय काडर में प्रोन्नति परिणामी कंपनी के भीतर ज्येष्ठता के अनुसार होगी। प्रबंधकीय काडर में ज्येष्ठता विलय पर परिणामी कंपनी के भीतर पुनः तैयार की जाएगी।

10. **निदेशकों की स्थिति** — विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व उसी रूप में पद धारण किए हुए है, नियत दिन को विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रह जाएगा।
11. **भविष्य निधि, अधिवर्षिता, कल्याण और अन्य निधियां**— आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुसरण के अधीन रहते हुए, विघटित कंपनी द्वारा उसके अधिकारियों और कर्मचारियों के फायदे के लिए स्थापित भविष्य निधि या अधिवर्षिता निधि या कल्याण निधि और किसी अन्य निधि के न्यासों, नियत दिन को न्यास की निधियों का अंतरण परिणामी कंपनी को करेंगे, जो ठीक नियत दिन से उपरोक्त धन से एक या अधिक न्यासों का गठन करेंगे, जिसके उद्देश्य, निबंधन और शर्तें वही होंगी जो विद्यमान न्यास की हैं या उक्त विद्यमान निधियों का परिणामी कंपनी के तत्स्थानी एक या अधिक न्यासों को अंतरण किया जा सकेगा और विघटित कंपनी तथा परिणामी कंपनी द्वारा स्थापित न्यास के हिताधिकारियों के अधिकारों और हितों को किसी भी रूप में कम या प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं किया जाएगा।
12. **भविष्य निधि की सदस्यता**— विघटित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1962 (1962 का 19) के अधीन उस कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य हैं और परिणामी कंपनी नियत दिन से इन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजक का अभिदाय उसी दर से करेगी और करती रहेगी जिस दर से विघटित कंपनियां करती रही हैं या ऐसी अन्य पश्चात्पूर्ती दर से जो विद्यमान विधि के अधीन लागू हो।
13. **तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड का विघटन**— इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से ही, तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड का विघटन हो जाएगा और कोई व्यक्ति, विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध, उसके ऐसे निदेशक या अधिकारी की हैसियत में कोई दावा नहीं करेगा, मांग प्रख्यापित नहीं करेगा या कार्यवाही प्रारंभ नहीं करेगा सिवाय उनके जो इस आदेश के उपबंधों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हों।
14. **कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण** — केन्द्रीय सरकार, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात्, यथाशीघ्र, कंपनी रजिस्ट्रार, तमिलनाडु को इस आदेश की प्रति भेजेगा जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार, तमिलनाडु परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस को संदेय किए जाने पर आदेश को रजिस्टर करेगा और इस आदेश की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु विघटित कंपनी के संबंध में उसके पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किए गए सभी दस्तावेज तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 1) लिमिटेड, जिस के साथ विघटित कंपनी का सामेलन किया गया है, फाइल में रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

15. परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद - तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (सेलम डिवीजन 2) लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान हैं, नियत दिन से ही, परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[फा. सं. 24/13/2001/सीएल-III]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Company Affairs)
ORDER

New Delhi, the 30 December, 2003

S. O. 1478(E).—Whereas the Central Government is satisfied that it is essential in the public interest that the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Bharatipuram, Salem Main Road, Dharmapuri-636705 should be amalgamated with the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-I) Limited, a Government company incorporated under the Company Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at 12, Ramakrishna Road, Salem-636007, into a single company for the purpose of effective and efficient use of the Depots, Equipments, Personnel, Material and other Infrastructure facilities, for ensuring co-ordination in policy, for the efficient and economic expansion of Production Units viz., Body Building Unit, Re-conditioning Unit, Retreating Unit etc., for providing an efficient, adequate, economical and properly coordinated Road Transport Services on Inter-State and Intra-State routes and allied activities;

And whereas, both the companies namely, the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited and the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-I) Limited have approved the scheme of amalgamation by resolution passed by the shareholders of both the companies in the Extraordinary General Meetings held on the 8th October, 2001;

And whereas, a copy of the proposed Order for amalgamation was sent in draft to the aforesaid Companies namely the Tamil Nadu States Transport Corporation (Salem Division-II) Limited and the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-I) Limited for its publication in two newspapers inviting objections and suggestions, if any;

And whereas, the scheme of amalgamation of M/s. Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited with M/s. Tamil Nadu States Transport Corporation (Salem Division-I) Limited was published by both the companies in the daily newspapers namely "The New Indian Express" (English) on the 5th October, 2002 and "Dhinabhoomi" on the 5th October 2002 and "Dr. Namathu MGR" on the 6th October, 2002 in Vernacular language, and "The New Indian Express" (English) on the 5th October, 2002 and "Dhinabhoomi" on the 5th October, 2002 and "Dr. Namathu MGR" on 5th October, 2002 in Vernacular language, respectively;

And whereas, the objection; or suggestions received were considered by the Central Government;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of said two companies, namely:-

1. **Short title.** - (1) This Order may be called the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited and the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-I) Limited, Amalgamation Order. 2003.
(2) This order shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.** -In this Order, unless the context otherwise requires.-
(a) "appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette;
(b) "dissolved company" means the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited;
(c) "resulting company" means the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-I);
3. **Share holding pattern.** - (a) The shareholding pattern of the two companies as on the 31st March, 2001 is as under:—

(I) **Dissolved company.**— The Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-11) Limited

Serial number	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilnadu	1, 46, 53,391	14, 65, 33, 910
2.	Others (Nine) holding 1 share each who are nominees of Government of Tamilnadu	9	90
Total		1,46,53,400	14,65,34,000

(ii) **Resulting company.**—The Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-I) Limited

Serial number	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilnadu	2,16,19,991	21,61,99,910
2.	Others (Nine) holding 1 share each who are nominees of Government of Tamilnadu.	9	90
Total		2,16,20,000	21,62,00,000

- (b) The shares held by the dissolved company including the Nominee shareholders of the Government of Tamil Nadu shall stand transferred to and vest in the Government of Tamil Nadu, in addition to the capital held by the Government of Tamil Nadu in the resulting company at par value, and accordingly, the paid-up capital of the Government of Tamil Nadu will stand increased.

4. **Amalgamation of Companies.**— (i) On and from the appointed day, the entire business and undertaking of the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited, in “as is where is” condition, including all the properties, movable or immovable and other assets of whatsoever nature, including machinery and all fixed assets, leases, tenancy rights, investments in shares or otherwise, stock-in-trade, workshop tools, goods-in-transit, advances of moneys of all kinds, book-debts, outstanding moneys, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, letters of intent and all rights on powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecations, guarantees, and all rights whatsoever affecting the said properties of the dissolved company shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to, and vest in, the resulting company in accordance with the law for the time being in force.

- (ii) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 2001 of the said two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on 31st March, 2001 of the dissolved company and accept full responsibility for all transactions of the dissolved company thereafter.

Explanation.— The undertaking of the dissolved company shall include Development Rebate Reserve, if any, all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable, including cash balances, reserves, revenue balances, investments, all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of, the dissolved company, immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

5. **Transfer of certain items of property.**— For the purpose of this Order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company, shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

6. **Saving of contracts, etc.**— Subject to the other provisions contained in this Order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect, against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

7. **Saving of legal proceedings.**—It, on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company

or of anything contained in this Order, but the suit, prosecution, appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would have or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company as if this Order had not been made.

8. **Provisions with respect to taxation.**—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. **Provisions regarding existing officers and other employees of the dissolved company.**—Every whole-time officer or other employee (excluding the directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day, in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become an officer or other employee, as the case may be, of the resulting company and shall hold his or her office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he or she would have held the same under the dissolved company, as if this Order had not been made, and shall continue to do so unless and until his or her employment in the resulting company is duly terminated or until his or her remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

The seniority of all employees other than officers as it existed in the dissolved company immediately before the appointed date would be maintained, implying that the seniority, promotional opportunities and transfer among employees upto supervisory level shall remain protected even after amalgamation in the resulting company in respect of employees on roll at the time of issue of Orders. The employees recruited thereafter would be transferred within the jurisdiction of the resulting company. The promotions from supervisory cadre to managerial cadre will, however be as per seniority within the resulting company. The seniority among the managerial cadre shall be recast within the resulting company on merger.

10. **Position of directors.**—Every director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of the dissolved company on the appointed day.

11. **Provident, Superannuation, Welfare and other Funds.**—Subject to the compliance with the provisions of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Trustees of the Provident Fund or Superannuation Fund or Welfare Fund and any other Funds established by the dissolved company for the benefit of its officers and employees shall transfer funds of the Trust as on the appointed day to the resulting company, who shall immediately from the appointed day constitute the above moneys into one or more trusts with the objects, terms and conditions similar to those of the existing trust or the said existing funds may be transferred to one or more corresponding trusts of the resulting company and the rights and interests of the beneficiaries of the trust established by the dissolved company and resulting company shall not in any way be diminished or prejudiced.

12. **Membership of Provident Fund.**—All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of the Employee's Provident Fund under the Scheme of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) of which they are members and the resulting company shall with effect from the appointed day make and continue to make the employer's contributions to the said employees provident fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

13. **Dissolution of the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited:**—Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a director or any officer thereof in his or her capacity as such director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

14. **Registration of the Order by the Registrar of Companies.**—The Central Government shall, as soon as may be, after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Tamil Nadu a copy of this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Tamil Nadu shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Tamil Nadu shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved company on the file of the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-I) Limited with whom the dissolved company has been amalgamated and shall keep such consolidated documents on his file.

15. **Memorandum and Articles of Association of the resulting company.**—The Memorandum and Articles of Association of the Tamil Nadu State Transport Corporation (Salem Division-II) Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[F. No. 24/13/2001-CL-III]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.